पाठ योजना

कक्षा-दसवीं विषय -हिन्दी पाठ -पद,पद परिचय,नेता जी का चश्मा,बालगोबिन भगत ।

कालांश की संख्या - 33 प्रारम्भ दिनांक -01/04/2020 दिनांक पूर्णता -30/04/2020

शिक्षक का नाम –श्री विनोद कुमार पद -प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (हिन्दी)

पाठ का सार	केन्द्रित कुशलताएँ /लक्ष्यत अधिगम बिंदु	लक्ष्यत अधिगम हेतु क्रियाकलाप ,उचित संसाधन व कक्षा प्रबंधन	आकलन युक्ति योजना
1 पद - सूरदास -सूरसागर के भ्रमर गीत से लिए गए पद में गोपियाँ उद्धव पर व्यंग्य करती हैं । गोपियों के प्रेम की एकनिष्ठता की विशेषता बताई गई है । 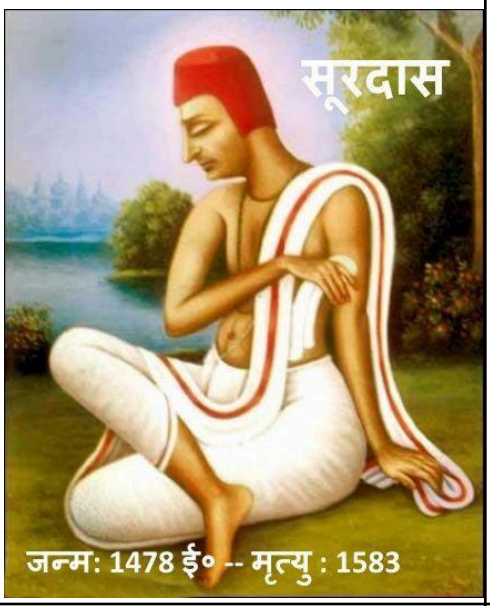 	वाचन व श्रवण की शुद्धता ,श्रवण व समझ की योग्यता ,मौखिक अभिव्यक्ति व्याकरणिक कौशल ।	भक्तिकालीन साहित्य से परिचय ,भ्रमरगीत का नामकरण ,गोपियों के प्रेम की एकनिष्ठता व समर्पण का महत्व ,व्यंग्य का प्रभाव,वक्रोक्ति अलंकार से परिचय ,तार्किकता ,तुलनात्मक दृष्टिकोण ,काव्य सौन्दर्य । कृष्ण भक्तिशाखा के प्रतिनिधि कवि सूरदास का परिचय ,"भ्रमरगीत" नामकरण से विद्यार्थियों को परिचित कराया जाएगा । विद्यार्थियों द्वारा क्रमशः वाचन किया जाएगा । वे पदों का अर्थबोध करेंगे तथा काव्य बिन्दुओ की पहचान करेंगे ।	वाचन व उच्चारण शुद्धता ,कक्षा -चर्चा श्रवण क्षमता ,प्रश्नोत्तरी प्रस्तुति ,कक्षाकार्य व गृहकार्य ।
10 –नेता जी का चश्मा-स्वयं प्रकाश -यह कहानी कैप्टन चश्मेवाले के माध्यम से करोड़ो नागरिकों के योगदान को रेखांकित करती है ,जो देश के निर्माण में अपने -अपने तरीके से योगदान देते हैं ।	वाचन व श्रवण की शुद्धता ,लेखन व समझ की योग्यता परिवेशीय सजगता मौखिक अभिव्यक्ति व्याकरणिक कौशल ।	देश व व्यक्ति का अटूट संबंध, देशप्रेम की भावना का विकास, लेखन क्षमता में वृद्धि, बहुभाषिकता के प्रति सम्मान, कर्तव्यनिष्ठा,समदर्शिता की भावना । शिक्षक द्वारा व्यक्ति व देश की अभिन्नता से संबन्धित कतिपय प्रसंग सुनाए जाएँगे । विद्यार्थियों द्वारा क्रमशः वाचन	वाचन व श्रवण शुद्धता परिचर्चा में सहभागिता अर्थबोध संबंधी प्रश्नोत्तर की प्रस्तुति ।

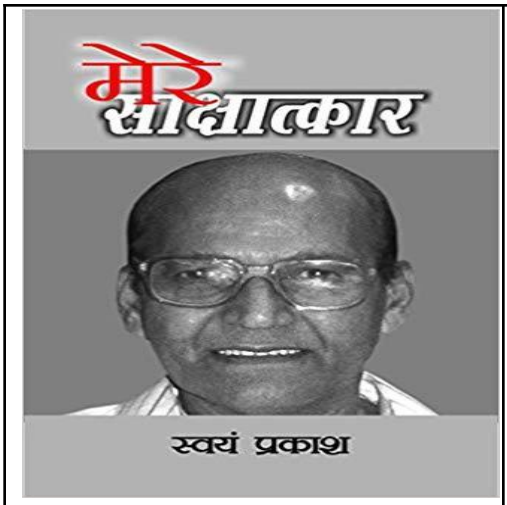		किया जाएगा । शिक्षक द्वारा उच्चारण संबंधी त्रुटियों का संसोधन किया जाएगा । प्रश्नोत्तर परिचर्चा ।	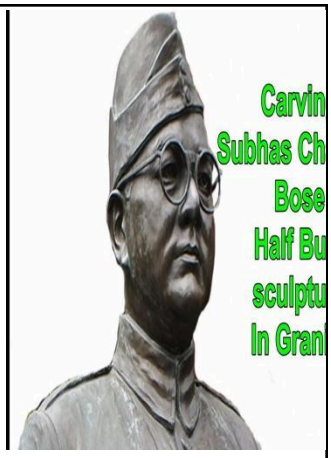
व्याकरण -पद परिचय -शब्द व पद का भेद ,पद के भेद -उपभेद तथा वाक्य में उनका संबंध ।	लेखन कौशल ,व्याकरणिक कौशल ।	भाषा की व्याकरणिक इकाई की समझ विकसित करना । शिक्षक द्वारा पद" परिचय दिया जाएगा। पद -परिचय के स्पष्ट ज्ञान हेतु व्याकरण के विभिन्न अंगो का प्रत्यास्मरण करवाया जाएगा । विद्यार्थी श्यामपट्ट पट क्रमशः प्रदत्त वाक्यों का पद -परिचय देने का अभ्यास करेंगे ।	व्याकरणिक बिन्दुओं का ज्ञान तथा पदों का परिचय देने की कुशलता ।
बालगोबिन भक्त-रामवृक्ष बेनीपुरी । -बालगोबिन रेखाचित्र के माध्यम से लेखक ने एक ऐसे विलक्षण चरित्र का उद्घाटन किया है जो मनुष्यता ,लोक संस्कृति और समूहिक चेतना का प्रतीक है । यह पाठ सामाजिक रूढ़ियों पर भी प्रहार करता है । इस रेखाचित्र की विशेषता यह है की बालगोबिन भगत के माध्यम से ग्रामीण जीवन की सजीव झाँकी देखने को मिलती है ।	वाचन व श्रवण की शुद्धता ,लेखन व समझ की योग्यता ,परिवेशीय सजगता मौखिक अभिव्यक्ति ,व्याकरणिक कौशल ।	सामाजिक रूढ़ियों के प्रति सजगता , मनुष्यता ,लोक संस्कृति और समूहिक चेतना का भाव । शिक्षक द्वारा सामाजिक रूढ़ियों के प्रति सजगता , मनुष्यता ,लोक संस्कृति और समूहिक चेतना का भाव से संबन्धित कतिपय प्रसंग सुनाए जाएँगे । विद्यार्थियों द्वारा क्रमशः वाचन किया जाएगा । शिक्षक द्वारा उच्चारण संबंधी त्रुटियों का संसोधन किया जाएगा । प्रश्नोत्तर परिचर्चा ।	वाचन व श्रवण शुद्धता ,परिचर्चा में सहभागिता ,अर्थबोध संबंधी प्रश्नोत्तर की प्रस्तुति ।

शिक्षक के हस्ताक्षर

प्राचार्या हस्ताक्षर

पाठ योजना

कक्षा - नौवीं ‘ विषय -हिन्दी पाठ -दो बैलों की कथा ,कबीर(सखियाँ सबद) ,उपसर्ग -प्रत्यय

कालांश की संख्या - 30 प्रारम्भ दिनांक -01/04/2020 दिनांक पूर्णता -30/04/2020

शिक्षक का नाम -श्री विनोद कुमार पद -प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (हिन्दी)

पाठ का सार	केन्द्रित कुशलताएँ /लक्ष्यत अधिगम बिंदु	लक्ष्यत अधिगम हेतु क्रियाकलाप ,उचित संसाधन व कक्षा प्रबंधन	आकलन युक्ति योजना
दो बैलों की कथा -प्रेमचंद -लेखक ने कृषक समाज और पशुओं के भावनात्मक सम्बन्धों का वर्णन किया है । स्वतंत्रता सहज में नहीं मिलती ,उसके लिए बार -बार संघर्ष करना पड़ता है । 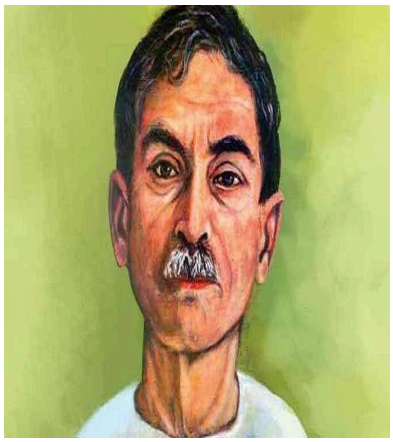	वाचन व श्रवण की शुद्धता,लेखन व समझ की योग्यता ,परिवेशीय सजगता मौखिक अभिव्यक्ति,व्याकरणिक कौशल ।	प्रेमचंद का साहित्यिक परिचय,पंचतंत्र की कथा परंपरा का ज्ञान ,कृषक व पशु का संबंध ,संवेदनशीलता ,संघर्ष शक्ति व परोपकार की भावना । शिक्षक द्वारा प्रेमचंद के जीवन व साहित्य के विषय में बताया जाएगा । पंचतंत्र की कथा परंपरा से उसका संबंध बताया जाएगा । विद्यार्थियों द्वारा क्रमशः वाचन किया जाएगा तथा शिक्षिका के द्वारा उच्चारण संबंधी त्रुटियों का संसोधन किया जाएगा ।	वाचन व श्रवण शुद्धता, परिचर्चा में सहभागिता, अर्थबोध संबंधी प्रश्नोत्तर की प्रस्तुति ।
9 साखियाँ ,सबद ,कबीर -इन साखियों में प्रेम का महत्व ,संत के लक्षण ,बाहयाडंबरों का खंडन और भीतर ही ईश्वर	वाचन व श्रवण की शुद्धता,श्रवण व समझ की योग्यता ,मौखिक अभिव्यक्ति काव्य बिन्दुओं की समझ,व्याकरणिक कौशल ।	काव्य साहित्य के काल -विभाजन से परिचय ,भक्तिकाल के निर्गुण काव्यधारा के प्रतिनिधि कवि कबीर तथा उनके विचारों की समझ । शिक्षक द्वारा दोहों का सस्वर वाचन किया जाएगा तथा काव्य -सौष्ठव समझाया जाएगा । विद्यार्थी अनुकरण वाचन करेंगे तथा भावबोध में सहभागिता	वाचन व उच्चारण शुद्धता ,कक्षा चर्चा,श्रवण क्षमता,प्रश्नोत्तरी प्रस्तुति,कक्षाकार्य व गृहकार्य ।

व्याप्ति का संदेश है । 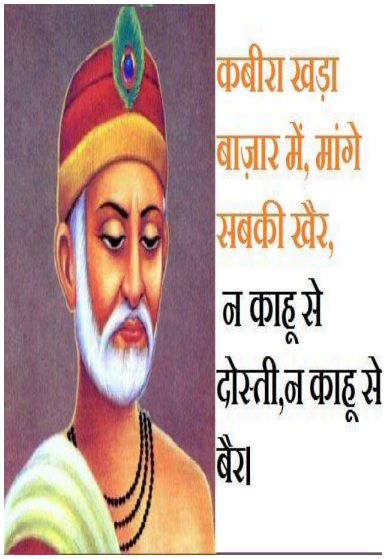 		करेंगे । शिक्षक द्वारा दिशा -निर्देश व त्रुटि संसोधन ।	
व्याकरण : उपसर्ग -प्रत्यय -भाषा ,शब्द-निर्माण के विभिन्न प्रकार ,उपसर्ग प्रत्यय की परिभाषा ,प्रकार	व्याकरणिक कौशल ।	शब्द भण्डार में वृद्धि तथा शब्द के मूल रूप को पहचानने की कुशलता । विद्यार्थी उपसर्ग -प्रत्यय के योग से शब्द निर्माण करेंगे तथा प्रदत्त शब्दों में उपसर्ग -प्रत्यय प्रत्यय की पहचान करेंगे ।	शब्द निर्माण की क्षमता,व्याकरणिक कौशल ।

शिक्षक के हस्ताक्षर

प्राचार्या हस्ताक्षर

पाठ योजना

कक्षा – आठवीं विषय –हिन्दी पाठ –ध्वनि,लाख की चूड़ियाँ,अहमदनगर का किला,तलाश ।

कालांश की संख्या -30 प्रारम्भ दिनांक -01/04/2020 दिनांक पूर्णता -30/04/2020

शिक्षक का नाम –श्री विनोद कुमार पद -प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (हिन्दी)

पाठ का सार	केन्द्रित कुशलताएँ /लक्ष्यत अधिगम बिंदु	लक्ष्यत अधिगम हेतु क्रियाकलाप ,उचित संसाधन व कक्षा प्रबंधन	आकलन युक्ति योजना
ध्वनि-सूर्यकांत त्रिपाठी निराला -कविता में आशावादिता का स्वर प्रमुख है । कवि वसंत को कभी भी खत्म नहीं होने देना चाहता है । वह अपनी दृढ़ इच्छा शक्ति तथा प्रयासों से कभी वसंत का अंत नहीं होने देगा । उसका विश्वास अटल है । वह अपने जीवन के अमृत रस से सींचकर पुष्पों को नया जीवन प्रदान करेगा ।	सकारात्मक सोच,आशावादिता,जागरुकता,प्रकृति प्रेम विकसित करना । 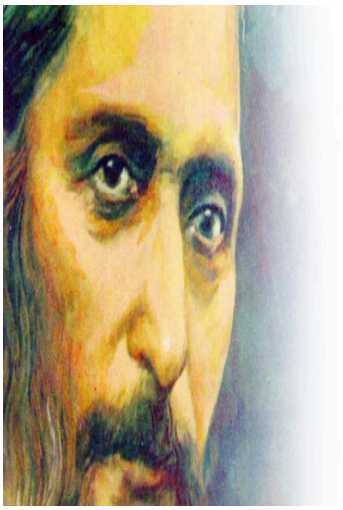	उचित आरोह-अवरोह के साथ कविता का आदर्शवाचन । निराला जी के विषय में जानकारी । विद्यार्थियों द्वारा अनुकरण वाचन,परिचर्चा,श्रुतलेख।	वाचन व उच्चारण शुद्धता ,कक्षा चर्चा,श्रवण क्षमता,प्रश्नोत्तरी प्रस्तुति,कक्षाकार्य व गृहकार्य ।
लाख की चूड़ियाँ -कामतानाथ -लेखक ने बदलू काका के माध्यम से प्राचीन परम्पराओं तथा आधुनिक काल की परिवर्तित मानसिकता का चित्रण किया है । लाख की चूड़ियों का स्थान काँच की चूड़ियों के ले लेने पर भी बदलू का परिस्थिति से समझौता न करना कारीगर के स्वाभिमान को दर्शाता है ।	कारीगरों के प्रति सम्मान भाव,ग्रामीण परम्पराएँ ,संवेदनशीलता,आत्मसम्मान	पाठ का आदर्शवाचन । कामतनाथ जी के विषय में जानकारी । विद्यार्थियों द्वारा अनुकरण वाचन,परिचर्चा,श्रुतलेख। शिक्षक द्वारा कहानी के नाट्य रूपांतरण हेतु आवश्यक निर्देश । विद्यार्थियों द्वारा पाठ की संवादात्मक प्रस्तुति,बदलाव का औचित्य विषय पर वाद-विवाद,अनुभव कथन ।	वाचन व श्रवण शुद्धता, परिचर्चा में सहभागिता, अर्थबोध संबंधी प्रश्नोत्तर की प्रस्तुति,संवाद प्रस्तुति ।

	की भावना का विकास । 		
भारत की खोज -एक परिचय ,1 अहमदनगर का किला-मूलग्रंथ,नेहरू जी की नौवीं जेल यात्रा ,अतीत का भार व दबाव,पुस्तक लिखने की प्रेरणा व नेहरु जी को स्वयं को विविध क्षेत्रों का विरासत मानना ।	परिश्रम का महत्व,संघर्षशीलता,कर्तव्य बोध का विकास । 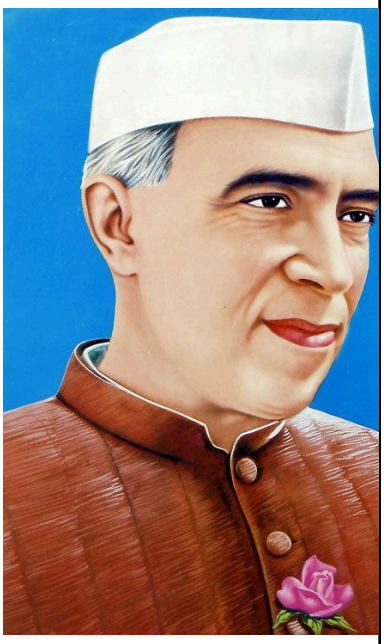	पाठ का आदर्शवाचन । नेहरू जी के विषय में जानकारी । विद्यार्थियों द्वारा अनुकरण वाचन,परिचर्चा,श्रुतलेख। शिक्षक द्वारा अंतर्कथाओं का उल्लेख । विद्यार्थियों द्वारा पाठ का उचित विराम चिह्नों का प्रयोग करते हुए वाचन।	वाचन व श्रवण शुद्धता, परिचर्चा में सहभागिता, अर्थबोध संबंधी प्रश्नोत्तर की प्रस्तुति । अहमद नगर का किला

शिक्षक के हस्ताक्षर

प्राचार्या हस्ताक्षर

पाठ योजना

कक्षा- सातवीं विषय – हिंदी पाठ – हम पंछी, दादी माँ, अनुच्छेद और पत्र लेखन कालांश की संख्या – **23**

प्रारम्भ दिनांक – **01/04/2020** दिनांक पूर्णता – **30/04/2020**

शिक्षक का नाम – श्री **विनोद कुमार** पद – **प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक** (हिंदी)

पाठ का सार	केन्द्रित कुशलताएँ/लक्ष्यित अधिगम बिंदु	लक्ष्यित अधिगम हेतु क्रियाकलाप, उचित संसाधन व कक्षा प्रबंधन	आकलन युक्ति योजना
1. हम पक्षी उन्मुक्त गगन के -शिवमंगल सिंह सुमन चिड़िया स्वच्छंद रूप से आकाश में विचरण करना चाहती है| वह सोने की कटोरी में रखे पकवान से ज्यादा कड़वी निबौरी को खाना पसंद करती है| स्वतंत्रता की खातिर वह अपनी सुख-सुविधाओं को न्योछावर करने के लिए तैयार है	*वाचन, श्रवण और समझ की योग्यता *शुद्ध वाचन की योग्यता, संप्रेषण कौशल का विकास, स्वतन्त्रता का महत्त्व, शब्द-निर्माण की क्षमता, आजादी के सेनानियों का प्रत्यास्मरण, शब्द-भण्डार में वृद्धि आत्मनिर्भरता	शिक्षक आदर्श वाचन करेंगे| उसके बाद बच्चे आरोह-अवरोह के साथ सस्वर वाचन करेंगे| कठिन शब्दों के अर्थ से बच्चों को अवगत कराया जाएगा| विद्यार्थियों से स्वतन्त्रता एवं परतंत्रता के अनुभव के बारे में पूछा जाएगा| 'पक्षी हमारे मित्र' विषय पर चित्र-संकलन		कविता पाठ, कक्षा-चर्चा, अनुभव-कथन, संवाद-प्रस्तुति, प्रश्नोत्तर-परिचर्चा, बोध-प्रश्न, गृह-कार्य, चित्राधारित वर्णन
2. दादी माँ - शिवप्रसाद सिंह लेखक अपनी दादी माँ के स्वर्गवास का पत्र पढ़कर स्तब्ध रह जाता है और दादी माँ से जुड़ी सारी घटनाएँ उनके आँखों के सामने उभरने लगती है|	*वाचन, श्रवण और समझ की योग्यता *शुद्ध लेखन, पठन व वाचन की क्षमता, सृजनात्मकता, घटनाओं को परिवेश से जोड़ने की क्षमता, वार्तालाप व श्रवण की क्षमता, बुजुर्गों के प्रति सम्मान - भाव, आत्मीयता	विद्यार्थियों में वाचन-शुद्धता हेतु सभी बच्चों से बारी-बारी से वाचन कराया जाएगा| अशुद्ध उच्चारण करने पर बच्चों से शुद्ध उच्चारण करवाया जाएगा| कठिन शब्दों एवं क्षेत्रीय भाषा से प्रभावित शब्दों का अर्थ श्यामपट्ट पर लिखाया जाएगा| बच्चों को	वाचन क्षमता, कक्षा-चर्चा, अनुभव-कथन, संवाद-प्रस्तुति, प्रश्नोत्तर-परिचर्चा, बोध-प्रश्न, गृह-कार्य, चित्राधारित वर्णन, दादी माँ पर आधारित अनुच्छेद लेखन

		ग्रामीण-जीवन के बारे में बताया जाएगा| ऋतु-चक्र एवं माह-चक्र बनाएँगे |	
<u>बाल महाभारत कथा _ अध्याय 1 व 2</u> - महर्षि पराशर के पुत्र वेदव्यास की रचना| महाभारत की संक्षिप्त कथा, देवव्रत, देवव्रत का जन्म तथा गंगा द्वारा उनकी देखभाल, पिता से प्रथम परिचय	*वाचन, श्रवण, लेखन और समझ की योग्यता *विश्व की महान रचना से परिचय, भारतीय संस्कृति, वाचन व श्रवण कौशल का विकास	पाठ का क्रमशः वाचन करेंगे| प्रदत प्रश्नों के उत्तर पठित अंश से छाँटकर लिखेंगे|	प्रश्नोतर प्रस्तुति, बोध प्रश्न, गृह कार्य
<u>अनुच्छेद लेखन, पत्र लेखन</u>	*लेखन कौशल *विचारों की मौखिक व लिखित अभिव्यक्ति की क्षमता	प्रदत बिन्दुओं का परिचर्चा व मार्गदर्शन के उपरान्त विस्तार करेंगे |	विषय की समझ तथा प्रस्तुति, वाक्य संरचना

शिक्षक के हस्ताक्षर

प्राचार्या हस्ताक्षर

पाठ योजना

कक्षा - दसवीं 'स' विषय -हिन्दी पाठ -लखनवी अंदाज,पद-परिचय,माता का आँचल राम-लक्ष्मण परशुराम-सवांद ,मानवीय करुणा की दिव्य चमक,वाच्य । कालांश की संख्या - 33 प्रारम्भ दिनांक -21/06/2020 दिनांक पूर्णता -31/07/2020

शिक्षक का नाम -श्री विनोद कुमार पद -प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (हिन्दी)

GIST OF THE LESSON	Activities(individual or group)/Demonstration/E-class) and List of teaching aid.	Home Assignment	HOTS and Additional question prepared
<u>व्याकरण -पद -परिचय</u> शब्द और पद का अर्थ,पद -परिचय का अभिप्राय,पद के भेद-संज्ञा,सर्वनाम,विशेषण,क्रिया,अव्यय । पदों के भेद,उपभेद,कारक,लिंग,वचन,काल,इत्यादि का परिचय । वाच्य -वाच्य का अर्थ-बोलने का विषय। भेद-कर्तृवाच्य,कर्मवाच्य,भाववाच्य।	**<u>उद्देश्य</u>**-भाषा की शुद्धता,आत्मविश्वास में वृद्धि अभिव्यक्ति कौशल। **<u>क्रियाकलाप</u>**-पद-परिचय का अभ्यास, शिक्षक द्वारा त्रुटि -संशोधन । **<u>शिक्षण विधि</u>** -प्रश्नोत्तर **<u>उद्देश्य</u>**-भाषा की शुद्धता,आत्मविश्वास में वृद्धि अभिव्यक्ति कौशल। **<u>क्रियाकलाप-</u>**वाक्य तथाउदाहरण के आधार पर नियम बनाएंगे ।	पद-परिचय के मुख्य बिन्दुओं को याद करेंगे रेखांकित पदों का पद परिचय देंगे । वाच्य की पहचान करेंगे । निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन करेंगे ।	**<u>उच्चस्तरीय वैचारिक</u>** **<u>प्रश्न-</u>**किसी भी पद का परिचय देने के लिए किन-किन बिन्दुओं का ज्ञान आवश्यक है ? **<u>न्यूनस्तरीय अधिगम</u>** **<u>प्रश्न-पद-परिचय दें-</u>** मेरा भाई आठवीं कक्षा में बहुत पढ़ता था । आकलन युक्ति-वाच्य की पहचान व परिवर्तन
<u>लखनवी अंदाज-यशपाल</u> -इस व्यंग्य रचना के माध्यम से उस पतनशील सामंती वर्ग पर कटाक्ष किया है जो वास्तविकता से बेखबर एक बनावटी जीवन शैली का आदि है ।आज भी ऐसी परजीवी संस्कृति को देखा जा सकता है ।	**<u>उद्देश्य</u>** वाचन_व श्रवण कौशल,प्रदर्शनवाद की उपेक्षा,तार्किकता,व्यंग्य का प्रभाव । **<u>क्रियाकलाप-</u>**वचन,परिचर्चा,व्यंजन बनाने की विधि,रचना की नाट्य-प्रस्तुति ।	पाठ का केंद्रीय भाव लिखकर शब्दार्थ लिखेंगे । परिचर्चा के उपरांत पाठांत प्रश्नों के उत्तर लिखेंगे -बनावटी जीवन शैली के पक्ष-विपक्ष में	**<u>उच्चस्तरीय वैचारिक</u>** **<u>प्रश्न-</u>**आप कैसे कह सकते हैं कि नवाबसाहब पतनशील सामंतीवर्ग के प्रतिनिधि हैं ? 2 वर्तमान में लोगों पर दिखावे कि प्रवृत्ति इतनी हावी क्यों है ?

	<u>शिक्षण विधि</u> -प्रश्नोत्तर विधि,व्याख्यान विधि	अपने तर्क प्रस्तुत करेंगे।	**<u>न्यूनस्तरीय अधिगम</u>** **<u>प्रश्न-</u>**नवाबसाहब ने खीरे के फाँको को खाने के स्थान पर बाहर क्यों फेंक दिया? आकलन युक्ति योजना-वाचन,श्रवण,कक्षा-चर्चा ,कक्षा-कार्य व गृहकार्य
<u>माता का आँचल-शिवपूजन सहाय-</u> -माता के प्यार की समानता विश्व की किसी भी बहुमूल्य वस्तु से नहीं की जा सकती । माँ के आँचल में जिस सुख की अनुभूति होती है ,वह अन्यत्र अप्राप्य है ।	**<u>उद्देश्य-</u>**वाचन व श्रवण कौशल,बहुभाषिकता का सम्मान क्रियाकलाप-शिक्षक बाल्यकाल के अनुभव प्रस्तुत करेगा तथा विद्यार्थियों के अनुभव सुनेगा ।	पाठ के अंत में दिए हुए प्रश्न के उत्तर परिचर्चा के बाद लिखेंगे ।	**<u>उच्चस्तरीय वैचारिक</u>** **<u>प्रश्न</u>**-तीस के दशक के बच्चों की दुनिया आपके बचपन की दुनिया से कैसे भिन्न थी ? **<u>न्यूनस्तरीय अधिगम</u>** **<u>प्रश्न-</u>** भोलानाथ के माता-पिता अपनी संतान के प्रति कैसे प्रेम प्रकट करते थे ।
<u>राम-लक्ष्मण परशुराम-सवांद-तुलसीदास</u> -रामचरितमानस के बालखण्ड से अवतरित इस अंश में सीता-स्वयंवर में राम द्वारा शिव-धनुष भंग के पश्चात परशुराम का क्रोध विश्वामित्र के समझाने तथा राम की शक्ति परीक्षा के पश्चात शांत हुआ। परशुराम के क्रोध का उत्तर लक्ष्मण ने व्यंग्य बाणों से दिया। लक्ष्मण की वीर रस से भरी व्यंग्योक्तियाँ व व्यंजना शैली की सरसता इसकी विशेषताएँ हैं ।	**<u>उद्देश्य</u>**-वाचन व श्रवण कौशल,पुराणों की विशालता व उदारता से परिचय । **<u>क्रियाकलाप</u>**-दोहा चौपाई छंद के विषय में बताकर सस्वर पाठ किया जाएगा। विद्यार्थी सस्वर पाठ करेंगे। क्रोध के सकारात्मक व नकारात्मक रूप की चर्चा की जाएगी। **<u>ई-कक्षा</u>** -राम-लक्ष्मण-परशुराम सवांद संबंधी विडियो दिखाया जाएगा।	तुलसीदास का संक्षिप्त परिचय देंगे। अपीचित शब्द व उनके अर्थ लिखेंगे। अर्थग्रहण संबंधी प्रश्नों के उत्तर लिखेंगे। कविता का काव्य-सौन्दर्य लिखेंगे । परिचर्चा पश्चात प्रश्नोत्तरी ।	**<u>उच्चस्तरीय वैचारिकप्रश्न</u>**-लक्ष्मण परशुराम का उपहास करते रहे और ऋषि परंपरा का निर्वाह कर रहे विश्वामित्र मौन रहे । ऐसा क्यों ? 2 क्या क्रोध का रूप सकारात्मक हो सकता है कैसे ? **<u>न्यूनस्तरीय अधिगम</u>** **<u>प्रश्न-</u>**पाठ के आधार पर आपके मन में परशुराम की जो छवि बनती है,उसे अपने शब्दों में बताओ । **<u>आकलन युक्ति योजना</u>** **<u>-</u>**वाचन,उच्चारण ,परिचर्चा में सहभागिता,गृहकार्य**<u>।</u>**
<u>मानवीय करुणा की दिव्य–सर्वेश्वर दयाल सक्सेना</u> -स्वयं को भारतीय कहने वाले फादर बुल्के का जन्म	**<u>उद्देश्य</u>**-वाचन व श्रवण-कौशल,परिवेशीय सजगता।	लेखक परिचय लिखकर केन्द्रीय-भाव लिखेंगे	**<u>उच्चस्तरीय वैचारिकप्रश्न-</u>**सन्यासी का परंपरागत रूप क्या है

बेल्जियम में हुआ,परंतु कर्मभूमि बनाया भारत को। जब तक राम कथा है,इस विदेशी भारतीय को याद किया जाएगा।	**<u>क्रियाकलाप</u>**-क्रमश वाचन,विदेशी व प्रवासी भारतीय। **<u>ई-कक्षा</u>** -फादर-बुल्के पर बनी फिल्म ।	परिचर्चा के उपरांत पाठांत प्रश्नों के उत्तर लिखेंगे । एक विदेशी व एक प्रवासी भारतीय के बारे में लिखेंगे।	और फादर बुल्के उससे भिन्न कैसे थे **<u>न्यूनस्तरीय अधिगम प्रश्न-</u>** फादर की मृत्यु कैसे हुई और लेखक उसकी मृत्यु के विधान से असंतुष्ट क्यों था? **<u>आकलन युक्ति योजना -</u>** वाचन,उच्चारण ,परिचर्चा में सहभागिता,गृहकार्य

शिक्षक के हस्ताक्षर प्राचार्या हस्ताक्षर

पाठ योजना

कक्षा-नौवीं 'स' विषय -हिन्दी पाठ -ल्हासा की ओर ,वाख ,सवैये,अलंकार,समास ।

कालांश की संख्या - 33 प्रारम्भ दिनांक -21/06/2020 दिनांक पूर्णता -31/07/2020

शिक्षक का नाम -श्री विनोद कुमार पद -प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (हिन्दी)

GIST OF THE LESSON	Activities(individual or group)/Demonstration/E-class)and List of teaching aid.	Home Assignment	HOTS and Additional question prepared
<u>ल्हासा की ओर -राहुल सांकृत्यायन</u> -इस यात्रावृत्त में राहुल जी ने तिब्बत की राजधानी ल्हासा की ओर जाने वाले दुर्गम रास्तों का वर्णन बहुत रोचक शैली में किया है । इस पाठ से तिब्बती समाज की जानकारी मिलती है ।यह यात्रा उन्होने १९२९ -३० में नेपाल के रास्ते छद्मवेश में की थी ।	**<u>उद्देश्य</u>**-तिब्बती संस्कृति से परिचय,वाचन व उच्चारण की शुद्धता।अभिव्यक्ति कौशल। **<u>क्रियाकलाप</u>**-विद्यार्थियों द्वारा क्रमश वाचन तथा शिक्षक द्वारा त्रुटि -संशोधन । **<u>शिक्षण विधि</u>** -प्रश्नोत्तर	संक्षेप में लेखक परिचय लिखेंगे । पाठ का केंद्रीय भाव लिखकर शब्दार्थ लिखेंगे । किसी स्मरणीय यात्रा का वर्णन करेंगे । परिचर्चा के पश्चात प्रश्नों के उत्तर लिखेंगे ।	**<u>उच्चस्तरीय वैचारिक प्रश्न</u>** -तिब्बत की यात्रा में लेखक का भिखमंगों जैसा वेश किस तरह सहायक सिद्ध हुआ ? -तिब्बत में डांडे किसे कहा जाता है ? **<u>न्यूंनस्तरीय अधिगम प्रश्न</u>** -१ तिब्बती समाज भारतीय समाज से किस प्रकार भिन्न था ? २ तिब्बत में डाकुओं का भय क्यों बना रहता है?

समास -परिभाषा ,समस्त पद,समास के भेद -अव्ययीभाव तत्पुरुष,कर्मधारय,द्विगु,द्वंद्व,बहुव्रीहि **अलंकार** -परिभाषा ,प्रकार-अनुप्रास ,यमक,श्लेष,उपमा,रूपक,उत्प्रेक्षा,अतिशयोक्ति,मानवीकरण -परिभाषा,उदाहरण व पहचान ।	**उद्देश्य**-व्याकरणिक कौशल ,भाषा शुद्धता सौन्दर्यबोध,सृजनात्मकता **क्रियाकलाप**-उदाहरण के आधार पर नियमीकरण में शिक्षक व विद्यार्थियों की सहभागिता । **विद्यार्थी** -उदाहरण के आधार पर नियम बनाने की प्रक्रिया । **शिक्षण विधि-ई -कक्षा**	संधि व समास में अंतर समझेंगे । प्रदत्त पदों का विग्रह कर समास की पहचान करेंगे । अलंकार की पहचान करेंगे । प्रत्येक अलंकार के पाँच-पाँच उदाहरण अपनी कक्षा पुस्तिका में लिखेंगे ।	**अतिरिक्त प्रश्न**-१ संधि और समास में क्या अंतर है ? २ समास के किन भेदों में उत्तर पद प्रधान होता है? ३ प्रत्येक समास के पाँच-पाँच उदाहरण बताएं । **आकलन युक्ति**-समास की पहचान व विग्रह । **अतिरिक्त प्रश्न-** यमक व श्लेष में क्या अंतर है । **आकलन युक्ति-** पहचान व समझ की योग्यता,प्रदत्त पंक्तियों में अलंकार की पहचान ।
१० **वाख -ललद्यद** -कवयित्री ने ईश्वर प्राप्ति के लिए किए जाने वाले प्रयासों की व्यर्थता ,बाह्याडंबरों का विरोध,चेतना की व्यापकता ,आतमलोचन ,भेदभाव का विरोध ,ईश्वर की व्यापकता तथा आत्मज्ञान की चर्चा वाख में की है ।	**उद्देश्य**-वाचन कौशल ,सौन्दर्य बोध सांप्रदायिक सदभाव,चिंतन,जागरूकता **क्रियाकलाप** -शिक्षक द्वारा आरोह-अवरोह के साथ कविता का पाठ तथा विद्यार्थियों के द्वारा अनुकरण भाव ग्रहण में सहायता,आदर्श पाठ **विद्यार्थी**- सांप्रदायिक सदभाव पर स्वतंत्र रूप से विचारों की अभिव्यक्ति ,परिचर्चा	कवयित्री का संक्षिप्त परिचय लिखेंगे । कविता का केंद्रीय भाव लिखकर शब्दार्थ लिखेंगे । परिचर्चा के बाद प्रश्नों के उत्तर देंगे । सांप्रदायिकता पर निबंध ।	**उच्चस्तरीय वैचारिक प्रश्न**-समाज मे व्याप्त सांप्रदायिक भेदभाव से देश व समाज की क्या क्षति हो रही है । २ कवयित्री ने बंद द्वार की सांकल खोलने का क्या उपाय बताया है ? **न्यूनस्तरीय अधिगम प्रश्न** सांप्रदायिक भेदभाव को दूर करने के लिए आप क्या सुझाव देंगे । **आकलन युक्ति**-परिचर्चा मे सहभागिता,प्रश्नोत्तर प्रस्तुति ।
११ **सवैये-रसखान** _इसमें कवि का कृष्ण और कृष्णभूमि के प्रति अनन्य समर्पण भाव प्रकट हुआ है । कहीं कृष्ण के रूप सौन्दर्य के प्रति गोपियों की मुग्धता का चित्रण है तो कहीं कृष्ण की मुरली की धुन और उसके अचूक प्रभाव का वर्णन है ।	**उद्देश्य**-उच्चारण की शुद्धता एकनिष्ठ प्रेम समर्पण भाव,सांप्रदायिक सद्भाव,विभिन्न धर्मों में भक्ति का स्वरूप **क्रियाकलाप** -सस्वर पाठ,काठिन्य निवारण **विद्यार्थी**-अनुकरण पाठ,शब्दार्थ के आधार पर भाव ग्रहण	कविता का केंद्रीय भाव लिखकर शब्दार्थ लिखेंगे । कवि का संक्षिप्त परिचय भावग्रहण संबंधी प्रश्नों के उत्तर व काव्य -सौन्दर्य लिखेंगे	**उच्चस्तरीय वैचारिक प्रश्न** आप कैसे कह सकते हैं कि कृष्ण के प्रति रसखान कि भक्ति एकनिष्ठ थी ? **न्यूनस्तरीय अधिगम प्रश्न**-कृष्ण का रूप धारण करते समय गोपी क्या नहीं करना चाहती ? **आकलन युक्ति योजना** -उच्चारण कि शुद्धता,भाव

		दूसरे छंद का भावार्थ व प्रश्नोत्तर लिखेंगे ।	ग्रहण की क्षमता,प्रश्नोत्तर प्रस्तुति ।
३ उपभोक्तावाद की संस्कृति-श्यामचरण दूबे _आज इस विज्ञापन की चमक-दमक के कारण वस्तुओं के पीछे भाग रहें है ,हामारी निगाह गुणवत्ता पर नहीं है । सपन्न व आभिजात वर्ग द्वारा प्रदर्शनपूर्ण जीवन शैली अपनाई जा रही है ,जिसे आम जन ललचाई निगाहों से देखते है। जैसे -जैसे ये दिखावे की संस्कृति फैलेगी ,सामाजिक अशांति व विषमता बढ़ेगी ।	**उद्देश्य**-सत्यनिष्ठा,निर्णय क्षमता,देश व संस्कृति के प्रति सम्मान **शिक्षक**-भारतीय व पाश्चात्य संस्कृति,उपभोग का वर्चस्व ,भौतिकता संवेदना पर हावी **विद्यार्थी** -विज्ञापन प्रस्तुति,परिचर्चा शिक्षण विधि -ई -कक्षा	पाठ का केंद्रीय भाव लिखकर शब्दार्थ लिखेंगे । परिचर्चा के उपरांत पाठांत प्रश्नों के उत्तर लिखेंगे "विज्ञापन का हमारे समाज पर प्रभाव "विषय पर निबंध लिखेंगे । पाठांतर्गत आए हुए जीवन-मूल्य लिखेंगे ।	**उच्चस्तरीय वैचारिक प्रश्न-**आपके अनुसार वस्तुओं को खरीदने का आधार वस्तु की गुणवता होनी चाहिए या विज्ञापन **न्यूनस्तरीय अधिगम प्रश्न** किन-किन वस्तुओं के विज्ञापन हमारे जीवन में घुलमिल चुके हैं ? **आकलन युक्ति योजन-**विज्ञापनों का चयन तथा उनकी प्रस्तुति ।

शिक्षक के हस्ताक्षर प्राचार्या हस्ताक्षर

पाठ योजना

कक्षा- आठवीं विषय – हिंदी पाठ – बस की यात्रा, दीवानों की हस्ती, अपठित बोध कालांश की संख्या – **10**

प्रारम्भ दिनांक – **21/06/2020** दिनांक पूर्णता – **30/06/2020** शिक्षक का नाम – **श्री विनोद कुमार**

पद – प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका **(हिंदी)**

पाठ का सार	केन्द्रित कुशलताएँ/लक्ष्यित अधिगम बिंदु	लक्ष्यित अधिगम हेतु क्रियाकलाप, उचित संसाधन व कक्षा प्रबंधन	आकलन युक्ति योजना
3.बस की यात्रा – हरिशंकर परसाई _ परसाई जी की इस उकृष्ट रचना में बस-यात्रियों की सोच व प्रतिक्रियाओं के साथ बस के दृष्टिकोण को भी प्रस्तुत किया गया है, जो आज की परिवहन-व्यवस्था पर तीखा व्यंग्य है	जर्जर बस से यात्रा करते समय प्राप्त अनुभवों का जीवंत प्रमाण यह रचना प्रस्तुत करती है		*वाचन, श्रवण और समझ की योग्यता *शुद्ध वाचन की योग्यता, संप्रेषण कौशल का विकास, शब्द-निर्माण की क्षमता, आजादी के सेनानियों का प्रत्यास्मरण, शब्द-भण्डार में वृद्धि, आत्मनिर्भरता	विद्यार्थियों में वाचन-शुद्धता हेतु सभी बच्चों से क्रमशः वाचन कराया जाएगा तथा उच्चारण की शुद्धता का अभ्यास करवाया जाएगा | श्रुतलेख- वयोवृद्ध, मरणासन्न, परिवहन, हिस्सेदार, अवज्ञा, श्रद्धा |	वाचन व श्रवण की शुद्धता, कक्षा-चर्चा, अनुभव-कथन, संवाद-प्रस्तुति, प्रश्नोत्तर-परिचर्चा, बोध-प्रश्न, गृह-कार्य, चित्राधारित वर्णन, श्रुतलेख
4. दीवानों की हस्ती - भगवती चरण वर्मा _ दीवाने स्वच्छंद व मनमौजी होते हैं | मान-अपमान	*वाचन, श्रवण और समझ की योग्यता, परिवेशीय सजगता	शिक्षक आदर्श पाठ करेंगे| उसके बाद बच्चे आरोह-अवरोह के साथ सस्वर पाठ करेंगे|	वाचन व श्रवण की शुद्धता, कक्षा-चर्चा, अनुभव-कथन,

की भावना से परे वे हँसते हुए सुख-दुःख बाँटते चलते हैं| इनके लिए सम्पूर्ण संसार अपना होता है |वे अपनी शर्तों पर जीवन व्यतीत करते हैं तथा सबका कल्याण चाहते हैं		*शुद्ध लेखन, पठन व वाचन की क्षमता, सृजनात्मकता, घटनाओं को परिवेश से जोड़ने की क्षमता, वार्तालाप व श्रवण की क्षमता	कठिन शब्दों के अर्थ से बच्चों को अवगत कराया जाएगा	कविता की चित्राभिव्यक्ति		संवाद-प्रस्तुति, प्रश्नोत्तर-परिचर्चा, बोध-प्रश्न, गृह-कार्य, चित्राधारित वर्णन, श्रुतलेख

<u>शिक्षक का नाम - विनोद कुमार</u>_____प्राचार्या हस्ताक्षर

पाठ योजना

कक्षा- **आठवीं** विषय – हिंदी पाठ – चिट्ठियों की अनूठी दुनिया, भगवान के डाकिए, सिन्धु **घाटी** की सभ्यता कालांश की संख्या – **25**

प्रारम्भ दिनांक – **01/07/2020** दिनांक पूर्णता – **31/07/2020** शिक्षक का नाम – **श्री विनोद कुमार**

पद – प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका **(हिंदी)**

पाठ का सार	केन्द्रित कुशलताएँ/लक्ष्यित अधिगम बिंदु	लक्ष्यित अधिगम हेतु क्रियाकलाप, उचित संसाधन व कक्षा प्रबंधन	आकलन युक्ति योजना
5.<u>चिट्ठियों की अनूठी दुनिया – अरविन्द कुमार सिंह</u> – संचार के साधनों में पत्रों का बहुत महत्वपूर्ण स्थान है	मानव सभ्यता के विकास में पत्रों ने अहम् भूमिका निभाई है	पत्र-लेखन एक कला है	गांधी, नेहरू के पत्र देशकाल का पैमाना होने के कारण हमारी धरोहर हैं	पत्र हमारे देश की अर्थव्यवस्था का मूलभूत आधार भी है		*वाचन, श्रवण और समझ की योग्यता *शुद्ध वाचन की योग्यता, लेखन कौशल का विकास, संप्रेषण कौशल का विकास, शब्द-निर्माण की क्षमता, परिवेशीय सजगता, शब्द-भण्डार में वृद्धि, आत्मनिर्भरता	विद्यार्थियों में वाचन-शुद्धता हेतु सभी बच्चों से क्रमशः वाचन कराया जाएगा तथा उच्चारण की शुद्धता का अभ्यास करवाया जाएगा	श्रुतलेख - चिट्ठियाँ, केन्द्रित, व्यापारिक, प्रशस्तिपत्र, दस्तावेज़	'इक' प्रत्यय के निर्माण से बनने वाले शब्द बताएँगे		वाचन व श्रवण की शुद्धता, कक्षा-चर्चा, अनुभव-कथन, संवाद-प्रस्तुति, प्रश्नोत्तर-परिचर्चा, बोध-प्रश्न, गृह-कार्य, चित्राधारित वर्णन, श्रुतलेख
<u>6. भगवान के डाकिए - रामधारी सिंह दिनकर</u> - डाकिए सन्देश को गंतव्य तक पहुँचाते हैं, ठीक इसी प्रकार पक्षी और बादल भगवान के डाकिए बनकर उनका सन्देश देश-देशांतर तक पहुँचाते हैं	प्रकृति के लिए देश व सीमा का बंधन नहीं होता		*वाचन, श्रवण और समझ की योग्यता, परिवेशीय सजगता *शुद्ध लेखन, पठन व वाचन की क्षमता, सृजनात्मकता, घटनाओं को परिवेश से जोड़ने की क्षमता, दीर्घ स्वर संधि का	शिक्षक आदर्श पाठ करेंगे	उसके बाद बच्चे आरोह-अवरोह के साथ सस्वर पाठ करेंगे	कठिन शब्दों के अर्थ से बच्चों को अवगत कराया जाएगा	कविता की चित्राभिव्यक्ति	'पक्षी और बादल' तथा 'डाकिए' में समानता व भिन्नता बताएँगे		वाचन व श्रवण की शुद्धता, कक्षा-चर्चा, अनुभव-कथन, संवाद-प्रस्तुति, प्रश्नोत्तर-परिचर्चा, बोध-प्रश्न, गृह-कार्य, चित्राधारित वर्णन, श्रुतलेख

	सामान्य ज्ञान, तुलनात्मकता		
<u>भारत की खोज - 3. सिन्धु घाटी की सभ्यता</u> - भारत के अतीत की पहली तस्वीर सिन्धु घाटी की सभ्यता में मिलती है । आर्यों का आगमन, प्राचीनतम अभिलेख, धर्मग्रन्थ और पुराण, वेद, भारतीय संस्कृति की निरंतरता, उपनिषद्, व्यक्तिवादी दर्शन के लाभ और हानियाँ, भौतिकवाद, महाकाव्य, इतिहास, परम्परा व मिथक, महाभारत, भगवद्गीता,प्राचीन भारत में जीवन व कर्म, महावीर, बुद्ध, वर्ण-व्यवस्था, चन्द्रगुप्त, चाणक्य, अशोक ।	*वाचन, श्रवण और समझ की योग्यता *विश्व की महान रचना से परिचय, भारतीय संस्कृति, वाचन व श्रवण कौशल का विकास 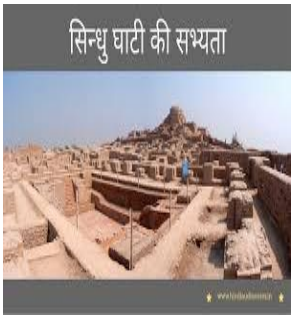	पाठ का क्रमशः वाचन करेंगे| प्रदत्त प्रश्नों के उत्तर पठित अंश से छाँटकर लिखेंगे| 	वाचन व श्रवण की शुद्धता, कक्षा-चर्चा, प्रश्नोत्तर-परिचर्चा, बोध-प्रश्न, गृह-कार्य

<u>शिक्षक का नाम- विनोद कुमार</u>_____प्राचार्या हस्ताक्षर

पाठ योजना

कक्षा- सातवीं विषय – हिंदी पाठ – कठपुतली, मिठाईवाला, रक्त और हमारा शरीर कालांश की संख्या – 30

प्रारम्भ दिनांक – 21/06/2020 दिनांक पूर्णता – 31/07/2020 शिक्षक का नाम – विनोद कुमार

पाठ का सार	केन्द्रित कुशलताएँ/लक्ष्यित अधिगम बिंदु	लक्ष्यित अधिगम हेतु क्रियाकलाप, उचित संसाधन व कक्षा प्रबंधन	आकलन युक्ति योजना
3. हिमालय की बेटियाँ - नागार्जुन इस पाठ में हिमालय से निकलने वाली नदियों के बारे में बताया गया है| हिमालय की शिराओं से निकलती हुई नदियाँ रूप परिवर्तित करती हुई आगे बढ़ती हैं, यही लेखक ने दर्शाया है|	*वाचन, श्रवण और समझ की योग्यता, परिवेशीय सजगता *शुद्ध वाचन की योग्यता, संप्रेषण कौशल का विकास, शब्द-निर्माण की क्षमता, शब्द-भण्डार में वृद्धि आत्मनिर्भरता, पठित ज्ञान को परिवेश से जोड़ने की क्षमता, विशेषण व समश्रुति भिन्नार्थक शब्द की जानकारी	विद्यार्थियों से सस्वर वाचन करवारा जाएगा| कक्षा में बच्चों को दो भागों में विभाजित किया जाएगा| एक दल के लोग कठिन शब्दों को चुनेंगे तथा दूसरा दल उस कठिन शब्दों के अर्थ बताने की कोशिश करेंगे| बाद में शिक्षक द्वारा बताया जाएगा| बच्चों से नदियों के नाम पूछे जाएँगे साथ ही उनके उद्गम-स्थल तथा उनके स्वरूप के विषय में बताया जाएगा |	वाचन व श्रवण की शुद्धता, कक्षा-चर्चा, अनुभव-कथन, संवाद-प्रस्तुति, प्रश्नोत्तर-परिचर्चा, बोध-प्रश्न, गृह-कार्य, चित्राधारित वर्णन, श्रुतलेख
4. कठपुतली – भवानीप्रसाद मिश्र आज़ादी सभी को प्रिय है, लेकिन आज़ादी न तो सहज प्राप्य होती ही और न ही सभी को इसका उपयोग करना आता है| सदियों से धागे से बंधी और दूसरों के इशारों पर नाचती कठपुतली को क्रोध आ जाता है| उसकी प्रेरणा से सभी कठपुतलियाँ विद्रोह के लिए तैयार हो जाती हैं, परन्तु आत्मनिर्भरता के बिना यह संभव नहीं है|	*वाचन, श्रवण और समझ की योग्यता *शुद्ध वाचन की योग्यता, संप्रेषण कौशल का विकास, स्वतन्त्रता का महत्त्व, शब्द-निर्माण की क्षमता, आजादी के सेनानियों का प्रत्यास्मरण, शब्द-भण्डार में वृद्धि आत्मनिर्भरता	शिक्षक आदर्श पाठ करेंगे| उसके बाद बच्चे आरोह-अवरोह के साथ सस्वर पाठ करेंगे| कठिन शब्दों के अर्थ से बच्चों को अवगत कराया जाएगा| कठपुतली के निर्माण तथा क्षेत्र विशेष की परम्परा से संबंधित परिचर्चा की जाएगी | कविता की चित्राभिव्यक्ति |	वाचन व श्रवण की शुद्धता, कक्षा-चर्चा, अनुभव-कथन, संवाद-प्रस्तुति, प्रश्नोत्तर-परिचर्चा, बोध-प्रश्न, गृह-कार्य, चित्राधारित वर्णन, श्रुतलेख
5. मिठाईवाला - भगवतीप्रसाद वाजपेयी__ दूसरों को प्यार और खुशी देने से मन का	*वाचन, श्रवण और समझ की योग्यता, परिवेशीय सजगता	विद्यार्थियों में वाचन-शुद्धता हेतु सभी बच्चों से क्रमशः वाचन कराया जाएगा तथा	वाचन व श्रवण की शुद्धता, कक्षा-चर्चा, अनुभव-कथन,

दुःख कम हो जाता है| मिठाईवाला शहर का नामी व्यक्ति था| अपने परिवार तथा बच्चों के गम को भुलाने के लिए उसने फेरीवाले के रूप में बच्चों का सान्निध्य प्राप्त कर लिया		*शुद्ध लेखन, पठन व वाचन की क्षमता, सृजनात्मकता, घटनाओं को परिवेश से जोड़ने की क्षमता, वार्तालाप व श्रवण की क्षमता	उच्चारण की शुद्धता का अभ्यास करवाया जाएगा	श्रुतलेख- अंतर्व्यापी, स्नेहाभिषिक्त, इठलाना, आजानुलम्बित, प्रतिष्ठित, संशय, अठखेलियाँ	अभिनय करवाया जाएगा	फेरीवालों से बातचीत करेंगे|	संवाद-प्रस्तुति, प्रश्नोत्तर-परिचर्चा, बोध-प्रश्न, गृह-कार्य, चित्राधारित वर्णन, श्रुतलेख
6. रक्त और हमारा शरीर - यतीश अग्रवाल रक्त हमारे शरीर को शक्ति प्रदान करता है| इसकी कमी से व्यक्ति को एनीमिया हो जाता है| संतुलित आहार रक्त बनाने में सहायता करता है| लाल रक्त कण, श्वेत रक्त कण, बिम्बाणु, प्लाज्मा तरह-तरह से हमारी सहायता करते हैं| 'रक्तदान' को महादान कहा गया है|	*वाचन, श्रवण और समझ की योग्यता, परिवेशीय सजगता *संप्रेषण कौशल का विकास, संतुलित आहार लेने की प्रेरणा, रक्त की बनावट तथा कार्यप्रणाली से अवगत होना, रक्तदान के महत्व को जानना		विद्यार्थियों में वाचन-शुद्धता हेतु सभी बच्चों से क्रमशः वाचन कराया जाएगा तथा उच्चारण की शुद्धता का अभ्यास करवाया जाएगा	रक्त परिसंचरण तंत्र का चित्र बनाएँगे| संतुलित व असंतुलित आहार संबंधी चित्रों का संकलन करेंगे| श्रुतलेख करवाया जाएगा| रक्त-समूह की तालिका बनाएँगे|	वाचन व श्रवण की शुद्धता, कक्षा-चर्चा, अनुभव-कथन, संवाद-प्रस्तुति, प्रश्नोत्तर-परिचर्चा, बोध-प्रश्न, गृह-कार्य, चित्राधारित वर्णन, श्रुतलेख
बाल महाभारत कथा अध्याय 3 से 10 - महर्षि पराशर के पुत्र वेदव्यास की रचना| भीष्म-प्रतिज्ञा, अंबा और भीष्म, विदुर, कुंती, भीम,कर्ण, द्रोणाचार्य, लाख का घर, पांडवों की रक्षा|	*वाचन, श्रवण और समझ की योग्यता *विश्व की महान रचना से परिचय, भारतीय संस्कृति, वाचन व श्रवण कौशल का विकास	पाठ का क्रमशः वाचन करेंगे| प्रदत्त प्रश्नों के उत्तर पठित अंश से छाँटकर लिखेंगे|	वाचन व श्रवण की शुद्धता, कक्षा-चर्चा, अनुभव-कथन, संवाद-प्रस्तुति, प्रश्नोत्तर-परिचर्चा, बोध-प्रश्न, गृह-कार्य,

शिक्षक का नाम-विनोद कुमार

प्राचार्या हस्ताक्षर

पाठ योजना

कक्षा - दसवीं 'स' विषय -हिन्दी पाठ -जॉर्ज पंचम की नाक,अपठित बोध,पत्र-लेखन ।

कालांश की संख्या - 17 प्रारम्भ दिनांक -01/08/2020 दिनांक पूर्णता -31/08/2020

शिक्षक का नाम –श्री विनोद कुमार पद -प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (हिन्दी)

GIST OF THE LESSON	Activities(individual or group)/Demonstration/E-class)and List of teaching aid.	Home Assignment	HOTS and Additional question prepared
जॉर्ज पंचम की नाक -कमलेश्वर औपनिवेशिक दौर की मानसिकता और विदेशी आकर्षण पर गहरी चोट लेखक ने की है । 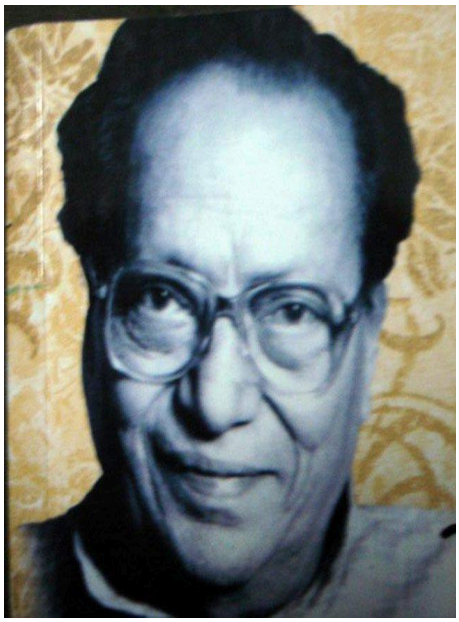	**उद्देश्य** -वाचन व उच्चारण शुद्धता ,श्रवण क्षमता,बोध कौशल,लेखन कौशल ,अभिव्यक्ति कौशल । **क्रियाकलाप**- आदर्श वाचन,अनुकरण वाचन ,,काठिन्य निवारण। **शिक्षण विधि** -प्रश्नोत्तर विधि,व्याख्यान विधि ।	संक्षेप में लेखक परिचय लिखेंगे । पाठ का केंद्रीय भाव लिखकर शब्दार्थ लिखेंगे । परिचर्चा के पश्चात प्रश्नों के उत्तर लिखेंगे । पाठ के अंत में दिए हुए प्रश्न के उत्तर परिचर्चा के बाद लिखेंगे ।	**उच्चस्तरीय वैचारिक प्रश्न**-क्या सचमुच अखबार वालों के पास कुछ भी छापने के लिए नहीं था या कोई और कारण होगा ?अपने विचार लिखिए । **न्यूनस्तरीय अधिगम प्रश्न-** जॉर्ज पंचम की लत की नाक को पुनः लगाने के लिए मूर्तिकार ने क्या-क्या यत्न किए ? **आकलन युक्ति योजना** -वाचन,उच्चारण ,परिचर्चा में सहभागिता,गृहकार्य ।
पत्र-लेखन लिखित रूप में अपने मन के भावों एवं विचारों को प्रकट करने का माध्यम 'पत्र' हैं। **'पत्र'** का शाब्दिक अर्थ हैं, 'ऐसा कागज जिस पर कोई बात लिखी अथवा छपी हो'। पत्र के द्वारा व्यक्ति अपनी बातों को दूसरों	**उद्देश्य**- *लेखन कौशल । * उच्चारण की शुद्धता *श्रवण व समझ की योग्यता का विकास ।	छात्र पत्र के प्रारूप के आधार पर पत्र लिखेंगे। 1)कोविड -19 महामारी के समय में परिवार के महत्व को	**न्यूंनस्तरीय अधिगम प्रश्न** - 1 आप अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को अवकाश के लिए एक

तक लिखकर पहुँचाता हैं। हम पत्र को अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम भी कह सकते हैं। दूर रहने वाले अपने सबन्धियों अथवा मित्रों की कुशलता जानने के लिए तथा अपनी कुशलता का समाचार देने के लिए पत्र एक साधन है। इसके अतिरिक्त अन्य कार्यों के लिए भी पत्र लिखे जाते है। **पत्र** के मुख्यतः दो रूप होते हैं -अनौपचारिक (निजी या व्यक्तिगत **पत्र**),औपचारिक (व्यवसायिक /कार्यालय **पत्र**) अनौपचारिक **पत्र** अपने मित्र तथा परिवार के किसी भी व्यक्ति (जो परिचित है) को लिखा जाता है।औपचारिक **पत्र** किसी भी कार्यालय में या संस्थान से जुड़े व्यक्ति (जो अपरिचित है) को लिखा जाता है।	*अभिव्यक्ति कौशल का विकास **<u>क्रियाकलाप</u>**- शिक्षक- पी पी टी के माध्यम से पूर्वज्ञान परीक्षण के आधार पर पत्र की परिभाषा तथा प्रकार की जानकारी देगा। पीपीटी के माध्यम से पत्र के अंक विभाजन की जानकारी। पीपीटी के माध्यम से अनौपचारिक **पत्र** के प्रारूप की जानकारी। **<u>छात्र-</u>** विद्यार्थी अपने द्वारा पूर्व में लिखे गए पत्रों से संबन्धित अपने अनुभव साझा करेंगे। **<u>शिक्षण विधि</u>** - पी पी टी , प्रश्नोत्तर ।	बताते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए। 2) अपने मोहल्ले को सनीटाइज़ करवाने हेतु स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए । 3) कोविड -19 महामारी को अपने मोहल्ले में फैलने से रोकने हेतु आपके द्वारा किए गए प्रयासों के बारे में बताते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए। 4) कोविड-19 महामारी के कारण हुए लॉकडाउन में खुद को मानसिक रूप से मजबूत रखने के लिए उचित दिनचर्या का पालन करने की सलाह देते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए । 5)अनियमित डाक वितरण की शिकायत करते हुए अपने क्षेत्र	प्रार्थना पत्र लिखते हैं| यह क्या कहलायेगा- 2 आप अपने बुआ को अपने लॉकडाउन के अनुभवों को बताते हुए एक पत्र लिखते हैं| यह पत्र किस श्रेणी में आएगा? 3 किस तरह के पत्रों में विषय लिखना अनिवार्य होता है| 4 आपने अपने प्रधानाचार्य को पत्र लिखा है पत्र की समाप्ति पर आप क्या लिखेंगे?

		के डाकपाल अधिकारी को पत्र लिखिए।	

शिक्षक के हस्ताक्षर प्राचार्या हस्ताक्षर

पाठ योजना

कक्षा-नौवीं 'स' विषय -हिन्दी पाठ -साँवले सपनों की याद,कैदी और कोकिला ,मेरे संग की औरते,अर्थ के आधार पर वाक्य ।

कालांश की संख्या - 25 प्रारम्भ दिनांक -01/08/2020 दिनांक पूर्णता -31/08/2020

शिक्षक का नाम -श्री विनोद कुमार पद -प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (हिन्दी)

GIST OF THE LESSON	Activities(individual or group)/Demonstration/E-class) and List of teaching aid.	Home Assignment	HOTS and Additional question prepared
<u>साँवले सपनों की याद –जाबिर हुसैन</u> -सालिम अली की मृत्यु से उत्पन्न दुख व अवसाद को साँवले सपनों की याद के रूप में अभिव्यक्ति । 	**<u>उद्देश्य</u>**-लेखन कौशल,वाचन व उच्चारण की शुद्धता,अभिव्यक्ति कौशल। **<u>क्रियाकलाप</u>**-विद्यार्थियों द्वारा क्रमश वाचन तथा शिक्षक द्वारा त्रुटि -संशोधन, । **<u>शिक्षण विधि</u>** -प्रश्नोत्तर ।	संक्षेप में लेखक परिचय लिखेंगे । पाठ का केंद्रीय भाव लिखकर शब्दार्थ लिखेंगे । परिचर्चा के पश्चात प्रश्नों के उत्तर लिखेंगे । -	**<u>उच्चस्तरीय वैचारिक प्रश्न</u>** - प्रस्तुत पाठ सालिम अली की पर्यावरण के प्रति चिंता को भी व्यक्त करता है। पर्यावरण को बचाने के लिए आप कैसे योगदान दे सकते हैं । **<u>न्यूनस्तरीय अधिगम प्रश्न</u>** - किस घटना ने सालिम अली के जीवन की दिशा को बदल दिया और उन्हें पक्षी प्रेमी बना दिया?

<u>कैदी और कोकिला-माखनलाल चतुर्वेदी</u> -स्वतंत्रता सेनानियों के साथ जेल में किए गए दुर्व्यवहार का मार्मिक साक्ष्य ,कोयल द्वारा। 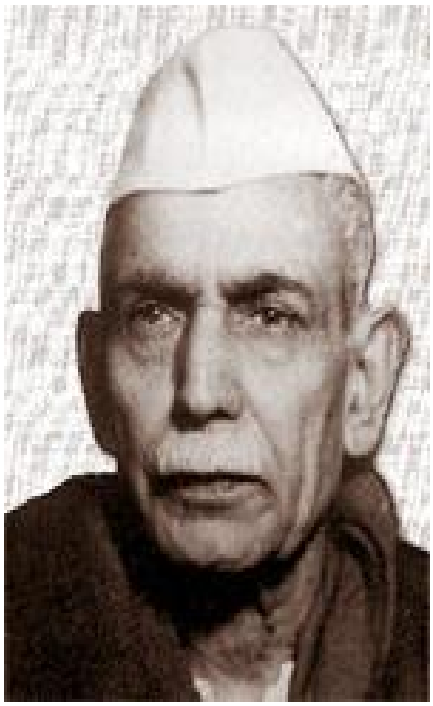	**<u>उद्देश्य</u>**- वाचन कौशल ,सौन्दर्य बोध, स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति सम्मान की भावना जागृत करना चिंतन,जागरूकता,,सृजनात्मकता **<u>क्रियाकलाप</u>**- शिक्षक द्वारा आरोह-अवरोह के साथ कविता का पाठ तथा विद्यार्थियों के द्वारा अनुकरण, भाव ग्रहण में सहायता, कारागार की यातनाएँ और स्वतंत्रता सेनानियों की दृढ़ इच्छा शक्ति पर चर्चा ,शिक्षक द्वारा द्विवेदी युगीन साहित्य का परिचय दिया जाएगा **<u>शिक्षण विधि-</u>** प्रश्नोत्तर ।	कविता का केंद्रीय भाव लिखकर शब्दार्थ लिखेंगे । कवि का संक्षिप्त परिचय भावग्रहण संबंधी प्रश्नों के उत्तर व काव्य -सौन्दर्य लिखेंगे,प्रश्नोत्तर लिखेंगे ।	**<u>उच्चस्तरीय वैचारिक प्रश्न-</u>** आपके विचार से स्वतंत्रता सेनानियों और अपराधियों के साथ एक-सा व्यवहार क्यों किया जाता होगा**?** **<u>न्यूंनस्तरीय अधिगम प्रश्न</u>** 1 कवि को कोकिल का बोलना क्यों अखरता है ? 2 कोयल को किस दावानल की ज्वालाएँ दिखी हैं?
<u>मेरे संग की औरते-मृदुला गर्ग</u> तीन पीढ़ियों की महिलाओं की प्रगतिशीलता का चित्रण।	**<u>उद्देश्य</u>**- भाषा की शुद्धता,आत्मविश्वास में वृद्धि अभिव्यक्ति कौशल,वाचन व श्रवण कौशल। **<u>क्रियाकलाप</u>** - आदर्श वाचन,अनुकरण वाचन ,,काठिन्य निवारण।	पाठ का केंद्रीय भाव लिखकर शब्दार्थ लिखेंगे । परिचर्चा के उपरांत पाठांत	**<u>उच्चस्तरीय वैचारिक प्रश्न-</u>** आप अपनी कल्पना से लिखिए की परदादी ने पतोहू के लिए पहले बच्चे के रूप में लड़की पैदा होने की मन्नत क्यों माँगी **?** **<u>न्यूनस्तरीय अधिगम प्रश्न</u>**

		प्रश्नों के उत्तर लिखेंगे ।	लेखिका ने अपनी नानी को कभी नहीं देखा फिर भी उनके व्यक्तित्व से वे क्यों प्रभावित थी?
<u>अर्थ के आधार पर वाक्य</u> **<u>भेद-</u>**परिभाषा,पहचान व परिवर्तन	**<u>उद्देश्य</u>**- भाषा की शुद्धता,आत्मविश्वास में वृद्धि अभिव्यक्ति कौशल। **<u>क्रियाकलाप</u>** - वाक्य की परिभाषा व भेद , वाक्य तथा उदाहरण के आधार पर नियम बनाएंगे । शिक्षक द्वारा त्रुटि -संशोधन । **<u>शिक्षण विधि</u>** -प्रश्नोत्तर	वाक्य के मुख्य भेद को याद करेंगे , वाक्य की पहचान करेंगे । निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन करेंगे ।	**<u>उच्चस्तरीय वैचारिक प्रश्न</u>** वाक्य के भेद का पता लगाने के लिए किन बिन्दुओं पर ध्यान देना पड़ेगा ?स्पष्ट कीजिए । **<u>न्यूनस्तरीय अधिगम प्रश्न-</u>** -अर्थ की दृष्टि से वाक्य का प्रकार बताइए । उसने भोजन नहीं किया।

शिक्षक के हस्ताक्षर

प्राचार्या हस्ताक्षर

पाठ योजना

कक्षा- आठवीं विषय – हिंदी पाठ – क्या निराश हुआ जाए, यह सबसे कठिन समय नहीं, युगों का दौर, निबंध कालांश की संख्या – **25**

प्रारम्भ दिनांक – **01/08/2020** दिनांक पूर्णता – **31/08/2020** शिक्षक का नाम – **श्री विनोद कुमार**

पद – प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका **(**हिंदी**)**

पाठ का सार	केन्द्रित कुशलताएँ/लक्ष्यित अधिगम बिंदु	लक्ष्यित अधिगम हेतु क्रियाकलाप, उचित संसाधन व कक्षा प्रबंधन	आकलन युक्ति योजना
7.क्या निराश हुआ जाए – हजारी प्रसाद द्विवेदी – आजकल के समाचार पत्रों में चोरी, भ्रष्टाचार, हिंसा, बेईमानी आदि की खबरों को पढ़ने से समाज में जो निराशा का वातावरण बना है, उस पर लेखक ने चिंता व्यक्त की है |समाज में अच्छे और बुरे दोनों लोग हैं, पर हमें अच्छे लोगों से प्रेरणा लेकर आशावादी बनना चाहिए		*वाचन, श्रवण और समझ की योग्यता *शुद्ध वाचन की योग्यता, लेखन कौशल का विकास, संप्रेषण कौशल का विकास, शब्द-निर्माण की क्षमता, परिवेशीय सजगता, शब्द-भण्डार में वृद्धि, आत्मनिर्भरता	विद्यार्थियों में वाचन-शुद्धता हेतु सभी बच्चों से क्रमशः वाचन कराया जाएगा तथा उच्चारण की शुद्धता का अभ्यास करवाया जाएगा	विद्यार्थियों को दो रचनाकारों के मध्य संवाद योजना का अभ्यास करवाया जाएगा	संज्ञा व द्वंद्व समास का अभ्यास		वाचन व श्रवण की शुद्धता, कक्षा-चर्चा, अनुभव-कथन, संवाद-प्रस्तुति, प्रश्नोत्तर-परिचर्चा, बोध-प्रश्न, गृह-कार्य, चित्राधारित वर्णन, श्रुतलेख
8. यह सबसे कठिन **समय नहीं - जया जादवानी** - प्रस्तुत कविता में यह समझाने का प्रयास किया गया है कि आज का समय सबसे कठिन समय नहीं है	अभी भी	*वाचन, श्रवण और समझ की योग्यता, परिवेशीय सजगता *शुद्ध लेखन, पठन व वाचन की क्षमता,	शिक्षक आदर्श पाठ करेंगे	उसके बाद बच्चे आरोह-अवरोह के साथ सस्वर पाठ करेंगे	कठिन शब्दों के अर्थ से बच्चों	वाचन व श्रवण की शुद्धता, कक्षा-चर्चा, अनुभव-कथन, संवाद-प्रस्तुति, प्रश्नोत्तर-परिचर्चा,

हमारे आस-पास ऐसी घटनाएँ घटित हो रही हैं जो हमें आशान्वित करती हैं |आज भी लक्ष्य को पाना असंभव नहीं है	बस, ईमानदारी से प्रयास करने की आवश्यकता है		सृजनात्मकता, घटनाओं को परिवेश से जोड़ने की क्षमता, तुलनात्मकता	को अवगत कराया जाएगा	कविता की चित्राभिव्यक्ति		बोध-प्रश्न, गृह-कार्य, चित्राधारित वर्णन
<u>भारत की खोज - 4.युगों का दौर</u> - गुप्त शासन में राष्ट्रीयता और साम्राज्यवाद, दक्षिण भारत, शांतिपूर्ण विकास और युद्ध के तरीके, प्रगति बनाम सुरक्षा, भारत का प्राचीन रंगमंच, संस्कृत भाषा की जीवंतता और स्थायित्व, दक्षिण-पूर्वी एशिया में भारतीय उपनिवेश और संस्कृति, विदेशों पर य कला का प्रभाव, भारत का विदेशी व्यापार, प्राचीन भारत में गणितशास्त्र, विकास और ह्रास		*वाचन, श्रवण और समझ की योग्यता *विश्व की महान रचना से परिचय, भारतीय संस्कृति, वाचन व श्रवण कौशल का विकास	पाठ का क्रमशः वाचन करेंगे	 प्रदत्त प्रश्नों के उत्तर पठित अंश से छाँटकर लिखेंगे		वाचन व श्रवण की शुद्धता, कक्षा-चर्चा, प्रश्नोत्तर-परिचर्चा, बोध-प्रश्न, गृह-कार्य
<u>निबन्ध लेखन - मेरे सपनों का भारत</u>		*लेखन कौशल *विचारों की मौखिक व लिखित अभिव्यक्ति की क्षमता	प्रदत्त बिन्दुओं का परिचर्चा के उपरान्त मार्गदर्शन के अनुसार विस्तार करेंगे		विषय की समझ तथा प्रस्तुति, वाक्य संरचना

<u>शिक्षक का नाम व हस्ताक्षर</u> **श्री विनोद कुमार** प्राचार्या हस्ताक्षर

पाठ योजना

कक्षा - सातवीं विषय – हिंदी पाठ – पापा खो गए, शाम एक किसान, निबंध कालांश की संख्या – 28

प्रारम्भ दिनांक – 01/08/2017 दिनांक पूर्णता – 31/08/2020 शिक्षक का नाम –विनोद कुमार

पाठ का सार	केन्द्रित कुशलताएँ/लक्ष्यित अधिगम बिंदु	लक्ष्यित अधिगम हेतु क्रियाकलाप, उचित संसाधन व कक्षा प्रबंधन	आकलन युक्ति योजना
7. <u>पापा खो गए – विजय तेंदुलकर</u> _ इस एकांकी में निर्जीव वस्तुओं को सजीव रूप में प्रस्तुत किया गया हैऔर उनमें संवेदना भी दर्शाई गयी है| वहीं एक आदमी जो बच्चे उठाने का काम करता है, उसके हृदय में संवेदना का कोई स्थान नहीं है|	*वाचन, श्रवण और समझ की योग्यता *अभिनय प्रस्तुति की कला, संवेदनशीलता, जागरूकता, संवाद-योजना व प्रस्तुति, पठित ज्ञान को परिवेश से जोड़ना, निर्णय क्षमता, भावानुरूप पठन |	एकांकी के प्रत्येक पात्र की भूमिका विद्यार्थियों में वितरित की जाएगी तथा विद्यार्थी उसके अनुरूप अभिनय करेंगे| काठिन्य निवारण किया जाएगा| संकट काल में काम आनेवाले फोन नं. की सूची तैयार करेंगे| अपने घर से विद्यालय तक का राह मार्ग बनाएँगे|	कक्षा-चर्चा, अनुभव-कथन, संवाद-प्रस्तुति, प्रश्नोत्तर-परिचर्चा, बोध-प्रश्न, गृह-कार्य, चित्राधारित वर्णन
8. **<u>शाम- एक किसान - सर्वेश्वर दयाल सक्सेना</u>** _कवि ने जाड़े की शाम का मानवीकरण किया है| पहाड़-किसान, आकाश-साफ़ा, नदी-चादर, सूरज-चिलम, पलाश के जंगल-अंगीठी तथा अन्धकार को भेड़ों के समूह के रूप में प्रस्तुत किया गया है| चिलम का औंधा हो जाना सूरज डूबना है|	*वाचन, श्रवण और समझ की योग्यता *वाचन-शुद्धता, तुलनात्मक क्षमता, मानवीकरण तथा उपमा अलंकार से परिचय, प्रकृति से सान्निध्य, संवेदनशीलता |	उचित आरोह-अवरोह के साथ कविता का पाठ करेंगे| जाड़े की शाम का दृश्यांकन करेंगे| मानवीकरण तथा उपमा अलंकार के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगे| शाम की भांति प्रातःकाल का वर्णन करेंगे |	कविता पाठ, कक्षा-चर्चा, अनुभव-कथन, संवाद-प्रस्तुति, प्रश्नोत्तर-परिचर्चा, बोध-प्रश्न, गृह-कार्य, चित्राधारित वर्णन

<u>3. बाल महाभारत कथा - अध्याय 11 से 15</u> _ द्रौपदी स्वयंवर, इन्द्रप्रस्थ, जरासंध, शकुनि का प्रवेश, चौसर का खेल व द्रौपदी कि व्यथा	*वाचन, श्रवण, लेखन और समझ की योग्यता *विश्व की महान रचना से परिचय, भारतीय संस्कृति, वाचन व श्रवण कौशल का विकास	पाठ का क्रमशः वाचन करेंगे। प्रदत्त प्रश्नों के उत्तर पठित अंश से छाँटकर लिखेंगे।	प्रश्नोत्तर प्रस्तुति, बोध प्रश्न, गृह कार्य
<u>संवाद-लेखन</u>	*लेखन कौशल *विचारों की मौखिक व लिखित अभिव्यक्ति की क्षमता	चाक-श्यामपट्ट संवाद की प्रस्तुति देंगे तथा शिक्षिका द्वारा मार्गदर्शन किया जाएगा	संवाद की लिखित प्रस्तुति तथा संवाद-योजना

<u>शिक्षक का नाम व हस्ताक्षर</u> **श्री विनोद कुमार**_ प्राचार्या हस्ताक्षर